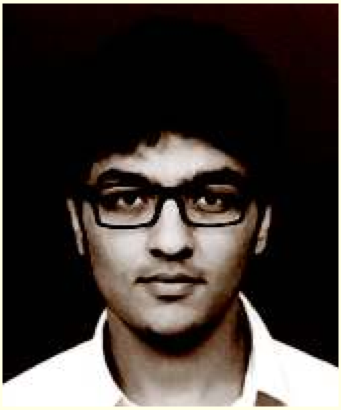

दुर्गेश गंगानी

कथक नृत्य

वडोदरा, गुजरात में सन 1994 में जन्मे श्री दुर्गेश गंगानी, जयपुर घराने के प्रख्यात कथक गुरु डॉ. जगदीश गंगानी के पुत्र तथा प्रसिद्ध कथक गुरु सुंदरलाल गंगानी के पौत्र हैं। अपने पिता के सानिध्य में आपने 4 साल की उम्र से ही कथक सीखना शुरू कर दिया था। आपने महाराज सय्याजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा से प्रदर्शन कलाओं में स्नातकोत्तर की उपाधि अर्जित की है।

आपने देश–विदेश में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित नृत्य समारोहों यथा कथक नृत्य महोत्सव, वडोदराय पं. गौरीशंकर नृत्य समारोह, मुम्बई; नटराज गोपी कृष्ण नृत्योत्सव, नासिक; गुजरात गौरव दिवस, वडोदरा; रेनड्रॉप फेस्टिवल, मुम्बई; तथा कथक उत्सव, जोधपुर आदि में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के साथ अपनी प्रस्तुतियाँ दी है।

वर्ष 2013 के लिए गुजरात संगीत नाटक अकादमी द्वारा श्री गंगानी को 'कल के कलाकार' पुरस्कार से सम्मानित किया था।

कथक के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिभा को रेखांकित करते हुए श्री दुर्गेश गंगानी को संगीत नाटक अकादेमी द्वारा वर्ष 2018 के लिए उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।